

यूक्रेन का कखोवका बाँध

कखोवका बाँध दक्षिणी यूक्रेन में नीपर नदी पर बना एक प्रमुख [जल वदियुत संयंत्र](#) और विशाल जलाशय है। यह 6 जून, 2023 को एक वसिफोट में नष्ट हो गया जिससे युद्धग्रस्त क्षेत्र में बढ़े पैमाने पर बाढ़ और **मानवीय संकट उत्पन्न हो गया है।**

- यूक्रेन और रूस ने इस हमले के लिये एक-दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराया है जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और अधिक बढ़ गया है।

कखोवका बाँध के वषिय में मुख्य तथ्य:

- **परिचय:**

- कखोवका बाँध वर्ष 1956 में सचिाई, वदियुत उत्पादन और नौपरविहन के लिये निपरो नदी का उपयोग करने के लिये सोवियत संघ की महत्त्वाकांक्षी परियोजना के हसिसे के रूप में बनाया गया था।
- यह बाँध 30 मीटर ऊँचा और 3.2 किलोमीटर लंबा था जिससे एक ऐसे जलाशय का निर्माण हुआ जो 2,155 वर्ग किलोमीटर तक वसितुत था और इसकी जलधारण क्षमता 18 क्यूबिक किलोमीटर है।
- इस बाँध की सहायता से क्रीमिया प्रायद्वीप को भी जल की आपूर्ति की गई थी जिस पर रूस ने वर्ष 2014 में कब्ज़ा कर लिया था और इसी बाँध से ज़ापोरज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र को अभी आवश्यक जल की आपूर्ति भी की जाती थी, जो किरूसी नियंत्रण में है।
- यह बाँध दक्षिणी यूक्रेन में यूक्रेनी और रूसी सैन्य बलों के सीमा क्षेत्र पर स्थित था जहाँ वर्ष 2014 से लड़ाई चल रही है।



June 5th 2023

- Assessed as Russian-controlled
- Claimed as Russian-controlled
- Assessed Russian operations*
- Approx. Ukrainian advances

*Regions Russia has operated in or attacked, but does not control
Sources: Institute for the Study of War; AEI's Critical Threats Project

// **The Economist**

- **वर्तमान मुद्दा:**
 - हाल ही में कखोवका जलवदियुत ऊर्जा संयंत्र के अंदर एक वसिफोट हुआ जिससे बाँध में दरार आ गई और भारी मात्रा में जल नचिले क्षेत्रों की ओर प्रवाहित हो गया।
 - बाढ़ के जल ने नदी के दोनों किनारों पर स्थिति दर्ज़नों कस्बों और गाँवों को क्षति पहुँचाई, हज़ारों लोगों को वसिथापति कर दिया तथा बुनियादी ढाँचे, फसलों एवं पशुओं को नुकसान पहुँचाया।
 - खेरसान शहर के पास **काला सागर** की नपिरोवस्का खाड़ी में भी जल स्तर बढ़ गया, जिससे तटीय क्षेत्रों में अपरदन और लवणता का खतरा उत्पन्न हो गया।
 - इस वसिफोट ने लाखों लोगों की वदियुत आपूर्ति बाधति कर दी, साथ ही क्रीमिया एवं ज़ापोरज़िया की जल आपूर्ति बाधति कर दी।
- **रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रभाव:**
 - बाँध के ढहने से चल रहे **रूस-यूक्रेन युद्ध** में एक अप्रत्याशति घटक जुड़ गया है।

- रूसी-नरियेतरति और यूक्रेनी-अधकृत भूमिदोनो के खतरे में होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बाँध के वनिश से दोनों पक्षों को लाभ होगा या नहीं ।
 - हालाँकि इसके कारण दक्षिण में यूक्रेन की जवाबी योजनाएँ बाधति हो सकती हैं और सरकार का ध्यान हटा सकती हैं ।
- **परिणाम और तत्काल चुनौतियाँ:**
 - **पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव:**
 - बाँध के ढहने से आई बाढ़ के कारण घर, सड़कें जलमग्न हो गई हैं ।
 - आपातकालीन कर्मचारियों द्वारा जल की निकासी की जा रही है, साथ ही इसके कारण ज़ापोरज़िया (Zaporizhzhya) परमाणु ऊर्जा संयंत्र में शीतलन प्रणाली और क्रीमिया को पानी की आपूर्तिसंबंधी चिंताएँ उत्पन्न हो गई हैं ।
 - **निकासी के प्रयास:**
 - रूसी-नरियेतरति क्षेत्रों में लगभग 22,000 लोग और यूक्रेनी-अधकृत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 16,000 लोग जोखिम में हैं ।
 - रूसी और यूक्रेनी अधिकारी नवासियों की निकासी की सुविधा प्रदान कर रहे हैं ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/the-kakhovka-dam-in-ukraine>

